# DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

## School of Languages

## 1.1.2
## Minutes of the Meetings and Changes in Syllabus

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

# तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला

## देवी अहिल्या विश्वविद्यालय इन्दौर

## एम.ए.संस्कृत साहित्य/ज्योतिष पाठ्यक्रम

## पूर्वार्द्ध(प्रथम सेमेस्टर)

पूर्णकालिक नियमित दो वर्षीय(चार सत्रों में विभाजित) पाठ्यक्रम

इस पाठ्यक्रम में 20 प्रश्नपत्र होंगे। प्रत्येक सत्र में एक वैकल्पिक प्रश्नपत्र होगा। प्रत्येक सत्र के अंत में व्यापक मौखिकी होगी। इस तरह 20 प्रश्नपत्र और 4 मौखिकी सहित 24 पाठ्क्रम होंगें।

| **प्रश्नपत्र** | **क्रेडिट** |
|---|---|
| प्रथम प्रश्नपत्र– भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास | 4 |
| द्वितीय प्रश्नपत्र– भारतीय कुण्डली विज्ञान | 4 |
| तृतीय प्रश्नपत्र– फलित ज्योतिष | 4 |
| चतुर्थ प्रश्नपत्र– संस्कृत भाषा नैपुण्य | 4 |
| पंचम प्रश्नपत्र– व्यावहारिक संस्कृत(चुनाव हेतु) | 4 |
| **मौखिकी** | **4** |
| **कुल क्रेडिट** | **24** |

## द्वितीय सेमेस्टर

| | |
|---|---|
| षष्ठ प्रश्नपत्र– फलित ज्योतिष | 4 |
| सप्तम प्रश्नपत्र– मूहूर्त्त विज्ञान | 4 |
| अष्टम प्रश्नपत्र– वास्तुशास्त्र | 4 |
| नवम प्रश्नपत्र– संस्कृत वाड्मय एवं वेद | 4 |
| दशम प्रश्नपत्र–भारतीय विद्यापरक संस्कृत साहित्य की रूपरेखा(चुनाव हेतु) | 4 |
| **मौखिकी** | **4** |
| **कुल क्रेडिट** | **24** |

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture , Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

# एम.ए.संस्कृत साहित्य / ज्योतिष पाठ्यक्रम

## पूर्वार्द्ध(प्रथम सेमेस्टर) सत्र 2015–16

### प्रश्नपत्र 1:– भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास केडिट:–4

इकाई 1. ज्योतिषशास्त्र की परिभाषा एवं उसका क्रमिक विकास, ज्योतिषशास्त्र का उद्भव स्थान और काल, महत्त्व, उपयोगिता भारतीय ज्योतिष का रहस्य व काल निरूपण।

इकाई 2. पंचस्कन्धात्मक ज्योतिषशास्त्र का परिचय– सिद्धान्त संहिता, होरा, ताजिक, प्रश्नशास्त्र, वास्तुशास्त्र, शकुनशास्त्र,रमलशास्त्र, सामुद्रिकशास्त्र एवं मुहूर्त विचार।

इकाई 3. प्राचीन आचार्यों के ग्रंथ एवं उनका परिचय

( आर्यभट्ट प्रथम व द्वितीय, ब्रह्मगुप्त, मुंजाल, भास्कराचार्य, बल्लालसेन, केशव द्वितीय, वराहमिहिर, कल्याणवर्मा,भटटोत्पल, पृथुयशा, श्रीगणेशदैवज्ञ ढुण्ढिराज,नीलकण्ठ एवं मंत्रेश्वर का परिचय।)

इकाई 4. पंचाग परिचय, पंचांग महात्म्य। भद्रा विचार, संवत्सर, गोल, पक्ष, घातचक्र व जन्मनाम विचार।

इकाई 5. कालमान का परिचय एवं भेद, नवविध कालमान,मास, ऋतु,अयन,वर्ष, युग, ग्रहकक्षा, ग्रहराशि, ग्रहण, भाव विचार, विषुवदिन विचार, सौरमास, सावनदिन, उत्तरगोल।

**अनुशंसित ग्रन्थ:–**

1. भारतीय ज्योतिष–डॉ.नेमिचन्द्रशास्त्री, भारतीय ज्ञानपीठ वाराणसी

2.भारतीय ज्योतिष–शंकर बालकृष्ण दीक्षित हिन्दी अनुवाद–शिवनाथ झारखण्डी, हिन्दी समिति,उ.प्र. लखनऊ

3. गोल परिभाषा– डॉ कामेश्वर उपाध्याय,त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन,वाराणसी

4. भारतीय ज्योतिषशास्त्र का इतिहास–गोरख प्रसाद, हिन्दी संस्थान, लखनऊ

5. ज्योतिषशास्त्र–डॉ.कामेश्वर उपाध्याय,त्रिस्कन्ध ज्योतिष प्रकाशन,वाराणसी

6. ज्योतिष सर्वस्व–डॉ.सुरेशचन्द्र मिश्र रंजन पब्लिकेशन्स नर्द दिल्ली

### प्रश्नपत्र 2:– भारतीय कुण्डली विज्ञान केडिट:–4

इकाई1. इष्टकाल का परिचय एवं साधन, अयनांश साधन, पलभा साधन, नक्षत्रकाल साधन, चरसाधन एवं सूर्योदय सूर्यास्त साधन।

इकाई2. स्पष्ट ग्रह प्रयोजन, चालन, इष्टकालिक ग्रह साधन, भयात–भभोग साधन, चन्द्र साधन, चरखण्डानयन, लंकोदय एवं स्वोदय मान।

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture , Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

इकाई 3. लग्नानयन, नतसाधन, दशम लग्नसाधन, ससंधि द्वादश भाव साधन, षड्वर्ग एवं दशवर्ग विचार।

इकाई 4. स्पष्ट आयुर्दाय साधन, मध्यमायु साधन, स्पष्ट आयु चक्र, ग्रह उच्च नीच विभाग, ग्रहों की परमायु, अंशकायु, पिण्डायु, लग्नायु,राश्यायु व योगजायु का साधन।

इकाई 5. दशा परिचय एवं प्रकार, दशा(भोग्य–भुक्त प्रकार) का साधन, अन्तर्दशा साधन, विंशोत्तरी दशा साधन, अष्टोत्तरी दशा साधन, योगिनी दशा साधन, विंशोत्तरी के अन्तर में प्रत्यन्तर।

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. भारतीय कुण्डली विज्ञान,मीठालाल हिम्मतलाल ओझा, देवर्षि प्रकाशन वाराणसी
2. बृहत्पाराशर होराशास्त्र,दशाभेदाध्याय खेलाड़ीलाल शंकरप्रसाद,वाराणसी
3. बृहज्जातकम्,आयुर्दायाध्याय,ठाकुरप्रसाद एण्ड सन्स,वाराणसी
4. केशवीय जातक पद्धति, चौखम्बा संस्कृत सीरिज,वाराणसी
5. मैन्युइल ऑफ एस्ट्रोलॉजी संबद्ध अंश–बी.वी. रमन, पब्लिकेशन्स बैंगलोर
6. भारतीय ज्योतिष–डॉ.नेमिचन्द्र शास्त्री,भारतीय ज्ञानपीठ नई दिल्ली
7. Table of Ascendants:N.K.Lahiri, Astro Research Bureau, Calcutta

**प्रश्नपत्र 3:– फलित ज्योतिष** **केडिटः–4**

इकाई 1. लघुजातकम् अध्याय 1–6 (व्याख्या एवं प्रश्न)

इकाई 2. लघुजातकम् अध्याय 7–16 (व्याख्या एवं प्रश्न)

इकाई 3. जातकालंकार 1–2 अध्याय (व्याख्या एवं प्रश्न)

इकाई 4. जातकालंकार 3–4 अध्याय (व्याख्या एवं प्रश्न)

इकाई 5. जातकालंकार 5–6 अध्याय (व्याख्या एवं प्रश्न)

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. जातकालंकार–व्याख्याकार डॉ.सुरेशचन्द्र मिश्र,रंजन पब्लिकेशन्स,नई दिल्ली
2. जातकालंकार– चौखम्बा संस्कृत सीरिज वाराणसी
3. लघुजातकम् आचार्य वराहमिहिर,चौखम्बा संस्कृत सीरिज वाराणसी

**प्रश्नपत्र 4:– संस्कृत भाषा नैपुण्य** **केडिटः–4**

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

इकाई 1. संज्ञा एवं कारक प्रकरण(सिद्धान्त कौमुदी)

इकाई 2. शब्दरूप एवं धातुरूप(शब्दधातु चन्द्रिका)

शब्दरूपः– राम, कवि,भानु,पितृ,मति, आत्मन्, रमा, नदी, वधू, फल, वारि, वाच्, तद्, यत्, अस्मद्, युष्मद्, सर्व, एतद्,इदम्।

धातुरूपः– पठ्, भू, कृ, गम्, अस्, रुध्, की, ,चुर्, सेव्, दा

(केवल पांच लकार लट्,लोट्,लङ्. व विधिलिङ्.)

इकाई 3. अनुवाद/रचना अ. हिन्दी से संस्कृत एवं संस्कृत से हिन्दी

आ. संस्कृत निबन्ध

इकाई 4. छन्द अ. छन्द परिचय एवं भेद

आ. छन्दों के लक्षण एवं उदाहरण–

गायत्री, अनुष्टुप्, त्रिष्टुप्, आर्या, इन्द्रवज्रा, उपेन्द्रवज्रा, उपजाति, वंशस्थ, वसन्ततिलका, मालिनी, हरिणी, शिखरिणी,शार्दूलविक्रीडित, मन्दाक्रान्ता एवं स्रग्धरा।

इकाई 5. पाणिनीय शिक्षा

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1.प्रारंभिक रचनानुवाद कौमुदी– कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन,वाराणसी

2.पाणिनीय शिक्षा–डॉ.कमला प्रसाद पाण्डेय

3. शब्दधातुचन्द्रिका– सम्पादक डॉ.राजेश्वर शास्त्री मुसलगांवकर

4. छन्दोमंजरी

5. वृत्त रत्नाकर

6.बृहद् अनुवाद चन्द्रिका– चक्रधरहंस नौटियाल

7.पाणिनीय शिक्षा–शिवराज आचार्य कौण्डिन्न्यायन चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन

## प्रश्नपत्र 5:– व्यावहारिक संस्कृत

**क्रेडिटः–4**

इकाई 1. संस्कृत का भाषिक सम्प्रेषण– व्यावहारिक प्रयोग, लघुकथा लेखन, पत्रलेखन, चर्यावर्णन, परिवेश परिचय, सूक्ति एवं सुभाषित प्रयोग।

इकाई 2. व्यावहारिक ज्योतिष– मुहूर्त शोधन एवं जन्मपत्रिका विवेचन, पंचाग, राशिचक्र एवं ग्रंथों का परिचय।

इकाई 3. सांस्कृतिक मंगल प्रतीक विधान– आकृतिमूलक प्रतीक, पदार्थमूलक प्रतीक, वनस्पतिमूलक प्रतीक।

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

इकाई 4. पूजन पद्धतियां– षोडशोपचार, पंचोपचार, राजोपचार पूजन पद्धतियों का तुलनात्मक अध्ययन।

इकाई 5. स्तोत्र एवं मुक्तक काव्य– शिवमहिम्न स्तोत्र एवं नीतिशतकम्(कण्ठस्थीकरण, शुद्ध लेखन)

उपर्युक्त पाँचों इकाइयों से प्रश्न प्रष्टव्य होगें।

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. वदत संस्कृतम्– डॉ.मिथिलाप्रसाद त्रिपाठी
2. संस्कृतस्य व्यावहारिकस्वरूपम्–डॉ.नरेन्द्र, संस्कृत कार्यालय श्रीअरविन्द आश्रम पाण्डुचेरी
3. संभाषण सोपानम् संस्कृत भारती,नई दिल्ली
4. पंचाग मंजूषा– मुकुन्दराम शर्मा
5. नित्यकर्मपूजा प्रकाश– गीता प्रेस गोरखपुर
6. बृहत्संहिता– अच्युतानन्द झा चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी
7. प्रतीक कोश– शोभानाथ पाठक, प्रभात प्रकाशन
8. मुहूर्त चिंतामणि– श्रीराम दैवज्ञ चौखम्बा संस्थान वाराणसी
9. भारतीय ज्योतिष– नेमिचन्द्र शास्त्री भारतीय ज्ञानपीठ
10. प्रतीकोपासना– डॉ.ताराचंद गर्ग

## द्वितीय सेमेस्टर

**प्रश्नपत्र 6:– फलित ज्योतिष** **केडिटः–4**

इकाई 1. जातकपारिजात अध्याय 1–व 2

इकाई 2. जातकपारिजात अध्याय 6व 7

इकाई 3. जातकपारिजात अध्याय 10–13

इकाई 4. जातकपारिजात अध्याय 14 व 15

इकाई 5. सारावली अध्याय 40 व 41

उपर्युक्त पाँचों इकाइयों से व्याख्या एवं प्रश्न प्रष्टव्य होगें।

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. जातकपारिजात–वैद्यनाथकृत डॉ.सुरेशचन्द्र मिश्र, रंजन पब्लिकेशन्स नई दिल्ली
2. सारावली–कल्याण वर्मा–डॉ.मुरलीधर चतुर्वेदी मोतीलाल बनारसीदास दिल्ली
3. जातक पारिजात–वैद्यनाथ, टीकाकार–पण्डित कपिलेश्वर शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
4. जातक पारिजात–वैद्यनाथकृत(प्रथम एवं द्वितीय भाग)टीकाकार–गोपेश कुमार ओझा,मोतीलाल

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture , Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

बनारसीदास दिल्ली

**प्रश्नपत्र 7:–मुहूर्त्त विज्ञान** **केडिटः–4**

इकाई 1. मुहूर्त्त गणपति अध्याय 1–6

इकाई 2 मुहूर्त्त गणपति अध्याय 7–10

इकाई 3. मुहूर्त्त गणपति अध्याय 11–13

इकाई 4. मुहूर्त्त गणपति अध्याय 14–16

इकाई 5. मुहूर्त्त गणपति अध्याय 17,19,20,21

उपर्युक्त पाँचों इकाइयों से व्याख्या एवं प्रश्न प्रष्टव्य होगें।

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. मुहूर्त्त गणपति–गणपतिकृत व्याख्या डॉ.मुरलीधर चतुर्वेदी मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी
2. मुहूर्त्त गणपति–गणपतिकृत चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी

**प्रश्नपत्र 8:–वास्तुशास्त्र** **केडिटः–4**

इकाई 1. वास्तुपुरूष की उत्पत्ति, वास्तुशास्त्र का इतिहास,लक्षण एवं वास्तु देवता का परिचय।

इकाई 2. गृहारंभ एवं अभिविन्यास–गृह निर्माण योग्य भूमिपरिक्षण, शल्यशोधन, पिण्डानयन,प्लव, निर्माण साम्रगी,द्वार निर्माण,गृहारम्भ व्यवस्था।

इकाई 3. काकिणी वर्ग,ग्रामवास विचार, शुभाशुभता, गृहारम्भ एवं गृहप्रवेश के विविध मुहूर्त व विविध मंत्रों का समीक्षण।

इकाई 4. भवनों के प्रकार–आवासीय,व्यावसायिक। विभिन्न प्रकार के गृह प्रमाण।

इकाई 5. भवनों के दोष एवं सुधार,गृहवेध, मंदिर धर्मशाला निवास विषयक गृह सामग्री का विचार एवं महत्त्व।

उपर्युक्त पाँचों इकाइयों से प्रश्न प्रष्टव्य होगें।

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1.वास्तुरत्नाकर–विंध्येश्वरी प्रसाद द्विवेदी,चौखम्बा संस्कृत सीरीज,वाराणसी

2.विश्वकर्मा प्रकाश–गणेशदत्त पाठक, ठाकुर प्रसाद पुस्तक भण्डार,कचौड़ी गली, वाराणसी

3.वास्तुशिल्पशास्त्र एण्ड इन्डियन ट्रेडिशन्स– डी.मुरलीधर राव,एस.बी.एस.पब्लिशर्स, बैंगलोर–560001

4.समराङ्गण सूत्रधार–वास्तुशास्त्रीय भवन निवेश भाग 1टीका डॉ.द्विजेन्द्रनाथ शुक्ल,मेहरचंद लछमनदास पब्लिकेशन्स दिल्ली

5.वास्तु सौख्यम्–आचार्य कमलकान्त शुक्ल,संपूर्णानंद संस्कृत वि.वि. वाराणसी

विभागाध्यक्ष
तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture , Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

6.बृहत्संहिता अध्याय 52 वराहमिहिर चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी

**प्रश्नपत्र 9:– संस्कृत वाङ्मय एवं वेद** **केडिट:–4**

इकाई 1. वैदिक साहित्य का परिचय

इकाई 2. रामायण एवं महाभारत का परिचय

इाकई 3. पुराण साहित्य का परिचय

इकाई 4. वैदिक सूक्तों का परिचय

| | | |
|---|---|---|
| **ऋग्वेद:–** | 1. पुरूष 10.90 | 2. नासदीय 10.129 |
| **यजुर्वेद:–** | 1. शिवसंकल्प 34.1–5 | 2. योगक्षेम 22.22 |
| **अथर्ववेद:–** | 1. साम्मनस्य 3.30 | 2. राष्ट्राभिवर्धनम् 1.29 |

इकाई 5. आरण्यक तथा उपनिषद्

1. पुरूषविभूति एतरेय आरण्यक II.1.7
2. पंच महायज्ञ तैतरीय आरण्यक II.10
3. ईशावास्योपनिषद्

**अनुशंसित ग्रन्थ:–**

1. न्यू वैदिक सिलेक्शन मास्टर भाग–2 ब्रजबिहारी चौबे, भारतीय विद्या प्रकाशन
2. वैदिक साहित्य एवं संस्कृति– आचार्य बलदेव उपाध्याय
3. ईशावास्योपनिषद् गीताप्रेस गोरखपुर
4. पुराण विमर्श आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
5. संस्कृत साहित्य का इतिहास आचार्य बलदेव उपाध्याय चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी
6. अष्टादश पुराण दर्पण–ज्वालाप्रसाद मिश्र
7. पुराण विषय अनुक्रमणिका–विपिन कुमार व राधा गुप्ता

**प्रश्नपत्र 10:–भारतीय विद्यापरक संस्कृत साहित्य की रूपरेखा** **केडिट:–4**

इकाई 1. वैदिक वाङ्.मय में धर्म, दर्शन एवं राजनीति(संहिता से उपनिषद्पर्यन्त)

इकाई 2. धर्मशास्त्र– अ. अष्टादश पुराण परिचय–लक्षण, महत्त्व, भेद, वर्ण्यविषय तथा प्रासंगिकता
आ. वेदों का परिचय।

इकाई 3. स्मृति ग्रंथों का परिचय– मनुस्मृति प्रथम, द्वितीय, सप्तम तथा अष्टम अध्याय।

इकाई 4. संस्कृत साहित्य में तकनीकी एवं ललित कलाएं(वास्तु, ज्योतिषश्संगीत, नृत्य तथा चित्रकला)

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture , Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

इकाई 5. कौटिल्य अर्थशास्त्र का सामान्य परिचय व प्रथम एवं द्वितीय अधिकार

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. संस्कृत का बृहद् इतिहास– डॉ.राजवंश सहाय, होरा
2. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास–डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी
3. प्राचीन भारतीय साहित्य खण्ड 1से 3 (अनुवाद) विन्टरनिट्ज
4. वैदिक साहित्य और संस्कृति–बलदेव उपाध्याय
5.धर्मशास्त्र का इतिहास खण्ड 1 से 3 –पी.व्ही.काणे
6. मनुस्मृति चौखम्बा संस्कृत संस्थान
7. उपनिषदों का तत्त्वज्ञान–जयदेव विद्यालंकार
8. भारतीय संस्कृति–वाचस्पति गैरोला
9. भारतीय संगीत का इतिहास– शरदचन्द्र श्रीधर परांजपे
10. शिल्पशास्त्र–नन्दलाल वसु
11.फाइन आर्ट्स इन एनशियंट इंडिया
12.कला अंक–हिन्दी साहित्य सम्मेलन पत्रिका,प्रयाग
13.आधुनिक संस्कृत साहित्य का इतिहास–डॉ.हीरालाल शुक्ल
14.कौटिलीय अर्थशास्त्र चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture , Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

# एम.ए.संस्कृत ज्योतिष पाठ्यक्रम

## उत्तरार्द्ध

## तृतीय सेमेस्टर

| प्रश्नपत्र | क्रेडिट |
|---|---|
| 11.भारतीय दर्शन | 04 |
| 12.संहिता ज्योतिष | 04 |
| 13. वर्ष गणित व प्रश्न विज्ञान | 04 |
| 14.प्रश्न विज्ञान | 04 |
| 15. संस्कृत का पर्यावरण विज्ञान(चुनाव हेतु) | 04 |
| समग्र मौखिकी | 04 |
| कुल क्रेडिट | 24 |

## चतुर्थ सेमेस्टर

| प्रश्नपत्र | क्रेडिट |
|---|---|
| 16.काव्य | 04 |
| 17. चिकित्सा ज्योतिष | 04 |
| 18. फलित ज्योतिष के इतर आयाम | 04 |
| 19. लघु शोध प्रबन्ध | 04 |
| 20. रत्न एवं जल विज्ञान (चुनाव हेतु) | 04 |
| समग्र मौखिकी | 04 |
| कुल क्रेडिट | 24 |

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर
School of Comparative Languages and Culture, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

## एम.ए.संस्कृत/ज्योतिष उत्तरार्द्ध (तृतीय सेमेस्टर)

**प्रश्नपत्र 11:– भारतीय दर्शन** क्रेडिट 04

इकाई 1. सांख्यकारिका–ईश्वरकृष्णकृत

(आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या तथा प्रश्न)

इकाई 2. सांख्यकारिका पर आधारित समीक्षात्मक प्रश्न

इकाई 3. वेदान्तसार–सदानन्दयोगीकृत

(आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या अथवा समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई 4. तर्कसंग्रह–अन्नमभट्टकृत

(आंतरिक विकल्प सहित व्याख्या अथवा समीक्षात्मक प्रश्न)

इकाई 5. परिचयात्मक अध्ययन

चार्वाक,जैन एवं बौद्ध दर्शन

(आंतरिक विकल्प सहित प्रश्न)

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. सांख्यकारिका संपादक डॉ.आद्याप्रसाद मिश्र, इलाहाबाद
2. सांख्यकारिका–संपादक डॉ.ब्रजमोहन चतुर्वेदी दिल्ली
3. वेदान्तसार–संपादक डॉ.रमाशंकर तिवारी चौखम्बा संस्कृत सीरीज वाराणसी
4. तर्कसंग्रह–संपादक श्रीकृष्ण ओझा, राजप्रकाशन चौड़ा रास्ता जयपुर
5. तर्कसंग्रह–संपादक आ.रामचन्द्र झा, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
6. भारतीय दर्शन– वाचस्पति गैरोला
7. भारतीय दर्शन–डॉ.बलदेव उपाध्याय

**प्रश्नपत्र 12:–संहिता ज्योतिष** क्रेडिट 04

इकाई 1. बृहत्संहिता अध्याय 1 से 12

इकाई 2. बृहत्संहिता अध्याय 21,22,24,28,30,32,33,35,40

इकाई 3. बृहत्संहिता अध्याय 41,42,46,47,52,54,55,58,60

इकाई 4. बृहत्संहिता अध्याय 61,62,66,68,69,70,71,74,77,79,84

इकाई 5. बृहत्संहिता अध्याय 84,89,92,95,98,99,100,101,104,105

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. बृहत्संहिता–वराहमिहिरकृत, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
2. बृहत्संहिता–वराहमिहिरकृत, मोतीलाल बनारसीदास,नई दिल्ली

विभागाध्यक्ष
तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

**प्रश्नपत्र 13:–वर्ष गणित व प्रश्न विज्ञान** क्रेडिट 04

इकाई 1. वर्ष प्रवेश गणित, वर्ष प्रवेश तिथि साधन, वर्ष प्रवेशकालिक स्पष्ट ग्रह मुंथा विचार, ग्रहों का बल विचार,ग्रह मैत्री, पंचवर्गीबल व हर्ष बल।

इकाई 2. हद्दाचक्र, त्रिराशिपति, पंचेश विचार, दीप्तांश विचार, इत्थशाल, मूसरिफ योग, नक्त सहम विचार, मुद्दा दशा, मुद्दा दशा चक्र, पात्यायिनी दशा, मास प्रवेश व दिन प्रवेश।

इकाई 3. ताजिक नीलकण्ठी अध्याय 1,2,5,6

इकाई 4. ताजिक नीलकण्ठी अध्याय 7–13

इकाई 5. ताजिक नीलकण्ठी अध्याय 14–15

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. ताजिक नीलकण्ठी–आचार्य नीलकंठी–डॉ.सुरेशचन्द्र मिश्र रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
2. ताजिक नीलकंठी–डॉ.रामचन्द्र पाठक चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
3. ज्योतिष प्रश्नफल गणना–दयाशंकर उपाध्याय
4. भारतीय कुण्डली विज्ञान,मीठालाल हिम्मतलाल ओझा, देवर्षि प्रकाशन वाराणसी

**प्रश्नपत्र 14:– प्रश्न विज्ञान** क्रेडिट 04

इकाई 1. भुवन दीपक 1–18 द्वार

इकाई 2.भुवन दीपक 19–36 द्वार

इकाई 3. षटपंचाशिका

इकाई 4. शिव स्वरोदय

इकाई 5. स्वर विज्ञान

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. षट्पंचाशिका–पृथुयशाकृत
2. भुवनदीपक–पद्मप्रभुसूरीकृत प्रो.शुकदेव चतुर्वेदी रंजन पब्लिकेशन्स, दिल्ली
3. शिव स्वरोदय
4. ज्योतिष में स्वर विज्ञान का महत्त्व–केदारदत्त जोशी मोतीलाल बनारसीदास वाराणसी

**प्रश्नपत्र 15:– संस्कृत का पर्यावरण विज्ञान** क्रेडिट 04

इकाई 1. वैदिक वाङ्मय में पर्यावरण चेतना

इकाई 2. रामायण एवं महाभारत में पर्यावरण चिन्तन

विभागाध्यक्ष

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति
School of Comparative Languages and Culture , Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

इकाई 3. पुराण वाङ्मय में पर्यावरण चिन्तन

इकाई 4. संस्कृत काव्यों में उपलब्ध पर्यावरण विवेक

इकाई 5.वृक्षों, वनस्पतियों की सुरक्षा, वृद्धि एवं परीक्षण का भारतीय दृष्टिकोण

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. पुराण विमर्श– बलदेव उपाध्याय चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
2. रामायण–गीताप्रेस गोरखपुर
3. महाभारत– चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी
4. काव्य ग्रंथ
5. उद्यान प्रतिष्ठा एवं उत्सर्ग
6. अष्टादश पुराण दर्पण–ज्वालाप्रसाद मिश्र
7. पुराण विषय अनुक्रमणिका–विपिन कुमार व राधा गुप्ता

## एम.ए.संस्कृत/ज्योतिष उत्तरार्द्ध (चतुर्थ सेमेस्टर)

**प्रश्नपत्र 16:– काव्य** **क्रेडिट 04**

इकाई 1. मेघदूतम्(पूर्वमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न)

इकाई 2. मेघदूतम्(उत्तरमेघ) (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न)

इकाई 3. कुमारसंभवम्–पंचम सर्ग (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न)

इकाई 4. रघुवंशम्–प्रथम सर्ग (दो पद्यों की व्याख्या/प्रश्न)

इकाई 5. संस्कृत कथा–काव्यों का सामान्य परिचय– हितोपदेश, पंचतंत्र, बृहत्कथा, कथासरित्सागर, शुक सप्तति, वेतालपंचविंशति तथा अन्य प्रमुख कथा काव्य।

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. मेघदूतम्–कालिदासकृत
2. कुमारसंभवम्–कालिदासकृत
3. रघुवंशम्–कालिदाकृत
4. संस्कृत साहित्य का इतिहास–आचार्य बलदेव उपाध्याय
5. संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास– डॉ.राधावल्लभ त्रिपाठी

विभागाध्यक्ष
तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति
अध्ययन शाला

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति
School of Comparative Languages and Culture, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

**प्रश्नपत्र 17:– चिकित्सा ज्योतिष** क्रेडिट 04

इकाई 1. चिकित्सकीय ज्योतिष के आधारभूत सिद्धान्त

इकाई 2. ज्योतिषशास्त्र में रोगों के प्रकार (सहज, आगंतुक)

इकाई 3.ज्योतिषशास्त्र में विभिन्न रोगों का विचार (ज्वर, कृमि, अपस्मार, उदररोग, वातरोग, मुखरोग, कर्णरोग, नासारोग, हृदय रोग, अश्मरी रोग, प्रमेह रोग, भगन्दर रोग, कुष्ठ रोग, उपदंश रोग, व्रण रोग, नेत्ररोग, शिरोरोग व बाल रोग)

इकाई 4. रोगोत्पत्ति का संभावित समय,प्रश्न कुण्डली के आधार पर रोग एवं निदान

इकाई 5. विभिन्न रोगों की ज्योतिष द्वारा चिकित्सा

(उपर्युक्त सभी इकाईओं से प्रश्न पूछे जायेंगे)

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. ज्योतिषशास्त्र में रोग विचार–डॉ.शुकदेव चतुर्वेदी,मोतीलाल बनारसीदास,दिल्ली
2. प्रश्नमार्ग– चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
3. योग चिन्तामणि चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
4. सारावली कल्याण वर्मा चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी
5. जातकपारिजात वैद्यनाथ चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन वाराणसी

**प्रश्नपत्र 18:– फलित ज्योतिष के इतर आयाम** क्रेडिट 04

इकाई 1. शरीर सर्वांग लक्षण विचार

इकाई 2. हस्तरेखा विचार,अंगुष्ठ विज्ञान

इकाई 3. शकुन एवं स्वप्न विज्ञान

इकाई 4.रत्न परिचय, रत्नधारण विधि एवं ग्रहों से उनका संबंध तथा फल

इकाई 5. अंक विज्ञान, भाग्यांक निरूपण, प्रश्नांक विवेचन

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1.शकुन ज्योतिषशास्त्रम्–राजेश दीक्षित 2.स्वप्नकमलाकर
3.हस्तसंजीवनम् मेघविजय रंजन पब्लिकेशन्स नई दिल्ली
4.सामुद्रिक शास्त्र–पं.शक्तिधर शुक्ल व्यास प्रकाशन,वाराणसी
5.बृहद्हस्तरेखाशास्त्र–डॉ.नारायणदत्त श्रीमाली,पुस्तक महल,नईदिल्ली
6. सचित्र सामुद्रिक रहस्यम्–पं.कालिका प्रसाद शर्मा ठाकुरप्रसाद एण्ड संस वाराणसी

विभागाध्यक्ष
तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति
अध्ययन शाला

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययन शाला, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर
School of Comparative Languages and Culture, Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

7. Vidvanjjanvallabha Bhojraj ed. By David pingree Baroda Oriental Institute 1970

**प्रश्नपत्र 19:– लघुशोध प्रबंध लेखन** **क्रेडिट 04**

**प्रश्नपत्र 20:– रत्न एवं जल विज्ञान**

इकाई 1. रत्न परिचय

इकाई 2. रत्नधारण विधि एवं ग्रहों से उनका सम्बंध तथा फल

इकाई 3. रत्नों का चिकित्सकीय उपयोग

इकाई 4. वर्षा विज्ञान मर्म,भूमि एवं वनस्पतियों से भूगर्भ में स्थित जल का विचार

इकाई 5. कूप जलाशय एवं बावड़ी का निर्माण, महत्त्व उपयोगिता

**अनुशंसित ग्रन्थः–**

1. रत्न परिचय–जगन्नाथ भसीन
2. रत्नदीप–डॉ.गोरीशंकर कपूर
3. रत्नविज्ञान–पुरूषोत्तमदास स्वामी
4. रमलनवरत्नम्
5. बृहत्संहिता–आचार्य वराहमिहिर अध्याय 80,81,82,83
6. कृपोत्सर्शपद्धति
7. कृपारोमीमांसा
8. Pracina bhartiya Jalsashtra (Ancient Indian hydrology) Pandit Manohar Devakrishna Pune Vidyapeeth cass pune 1991

विभागाध्यक्ष
तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति
अध्ययन शाला
देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला
School of Comparative Languages and Culture

## School of Language

## German Detail Syllabus
## Paper I

**Unit -1**

a) Introduction to alphabets, numbers and vocabulary building
b) Personal introduction
c) Basic grammar like articles, cases etc.
d) Group of verbs and their usage

**1st Internal**

**Unit II**

a) More of grammar
b) Conversation between students on situations like looking for directions on the road, ordering for food, making hotel bookings etc.
c) States and cities of Germany

**2nd Internal**

**Unit – III**

a) Detailed grammar
b) Translation from English to German
c) Translation from German to English
d) Reading Comprehension

**3rd Internal & Project**

Head
School of Comparative Languages
and Culture
Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

तुलनात्मक भाषा एवं संस्कृति अध्ययनशाला
School of Comparative Languages and Culture

## Paper II

### Unit I

a) Days of the week in German
b) Months of the year in German
c) Professional terms which are useful in business and trade.

### 1st Internal

### Unit II

a) Germany – The country (a brief history)
b) Culture and festivals of Germany
c) Great contributions made by the Germans to the society

### 2nd Internal

### Unit III

a) Paragraph writing
b) Letter writing (Formal / Informal)
c) Seeking Appointments

### 3rd internal & project

Head
School of Comparative Languages
and Culture
Devi Ahilya Vishwavidyalaya, Indore

# DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA, INDORE

## ORDINANCE FOR

## CERTIFICATE COURSE IN FRENCH

## (Faculty of Arts)

## School of Comparative Languages and Culture
## Takshashila Campus, Khandwa Road, Indore

(1) The Certificate Course in French Shall Comprise a course of study spread over a period of six months and the candidates will be part time students of the programme.

(2) The eligibility for admission shall be as follows :

(i) A candidate seeking admission to the programme must have passed a 12th std. examination of M.P. Board of secondary education/its equivalent.

(ii) The candidate must have attained the age at the time of admission as prescribed by the university from time to time.

(3) The admission to the programme conducted by UTD shall be through written/oral entrance examination prescribed by the university from time to time

(4) The total No. of seats shall not exceed 30. Reservation of seats shall be as per university rules.

(5) (i) The fee structure for the proposed course shall be as per university pattern as applicable to other UTD programmes if the course is sponsored by UGC or any other funding agency. However if the course is proposed underself. Finance scheme then the fee shall be decided by the Executive council applicable from time to time.

(ii) Students are required to pay to examination fee, enrolment fee and miscellaneous fee of university in addition to above, Library deposit and caution money is also payable as prescribed by the university.

(6) (a) The details of the subjects to be taught during the six months curriculum pattern and examination scheme shall be subject to approval of the concerned board of studies/faculty/other academic bodies of the university.

(b) In addition to this students will be required to undertake and complete assignment, seminar, project printing etc. as prescribed in the course of study.

(7) Eligibility for the certificate :-

The candidate shall be eligible for the certificate when he has undergone the prescribed course of study for a period of not less than six months in the institution and has passed the requisite examination in all the subjects.

(8) Requirement for examination and attendance:- The candidate will be permitted to in the examination if he/she has put in a minimum attendance of lectures in each subject as prescribed under the rules is applicable from time to time and if he/she fulfils all other eligible conditions for appearing in examination.

(9) (a) Examination shall be conducted by the university as per provisions of ordinance NO.31,

(b) The general provisions of examination under ordinance No. 5 and 6 and admission enrolment etc. shall be applicable unless otherwise specified in this ordinance.

(c) For matters not covered in the ordinance general rules of the university examination shall be applicable. In other cases the Executive council shall be the competent authority to decide.

Job opportunities : Collaborative industrial firms; embassies Electronic firms and organisations.

**Course Structure :**

Certificate Course - 1 semester

| | | | |
|---|---|---|---|
| CLC 201 paper I | : Phonetics | M.M.-100 | 3 hrs |
| CLC 202 paper II | : Grammer | M.M.-100 | 3 hrs |
| CLC 203 paper III | : Civilisation | M.M.-100 | 3 hrs |
| CLC 204 paper IV | : Communication (oral) | M.M.-100 | 3 hrs |
| CLC 205 paper V | : Translation | M.M.-100 | 3 hrs |
| CLC 206 paper VI | : Vocabulary | M.M.-100 | 3 hrs |

**Duration of the course : 6 months**

(a) No. of hours : Total 160 hours in six months 6-8 hours of total teaching per week.

(b) No. of semester : One

4. Eligibility : Passed 12th std. and above

5. Mode of admission : On merit and written test and interview

6. Reservation : As per govt. : rules

7. Examination procedure : There will be three theory papers.

M.M. - 500

i. Theory ii) Theory
iii. Theory iv) Oral
v. } One translation
vi. } exercise.

Date :

Signature and seal of the Head of the Department

Date

Signature and Seal of the Registrar

# SYLLABUS

## FRENCH (GENERAL)

## CERTIFICATE COURSE - I Semester

I. **Phonetics:**

- Introduction to sounds and French alphabets
- Accents
- reduction of vowels
- Orthographic signs and punctuation marks

⇒ Phonetic mechanism:

Written and oral exercises
(hearing and repetition)
(observation and reading)

II **Grammer:**

1) **Articles** : - definite, indefinite
   - partitifs

2) **Nouns** : - gender of nouns: masculine and feminine, plural of regular nouns.

3) **Numbers** : - use of numbers from 1 to 100 / 200 / 1,000 / 1,000,000

4) **Adjectives**: - agreement of adjectives masculine, feminine and plural

5) Formation of sentences in affirmative, negative, interrogative.

6) **Pronouns** : - personal complement (direct and indirect objects, pronouns); position of these pronouns
   - use of conjuctive "y" and "en"
   - relative
   - toxal (which help in forming questions : qui, quoi .... avec, quoi, a quoi

7) **Verb: conjugation of verbs:**

- near future
- past (passe compose)
- past continuous (Imparfait)
- present continuous

- recent past
- conjugation in the imperative mood
- pronominal verbs

8) Propositions and adverbs of quantity and place

9) Degrees: use of comparative and superlative degrees.

III Civilisation:

1) different regions of France
2) different social levels
3) administrative and regional life
4) economic and ecological problems
5) tradition and modernity
6) Paris, monuments and public places
7) Life of 4 parisians from different professions
8) Everyday life in the country side.

IV Communication (oral)

1) to meet, describe and report
2) to invite and reply to an invitation
3) to express order and obligation
4) to request and command
5) to evaluate and appreciate
6) to felicitate and thank
7) to express one's opinion
8) to complain and reprimand
9) to explain and justify
10) to request authorisation

V Translation:

of sentences from French to English and English to French.

VI Vocabulary :

Covered in the textbooks.

VII Textual Material:

Units 1, 2, 3 and 4 of the 'Le Nouveau Sans Frontieres' Part I: by Philippe Dominique - Jacky Girardet - Michele Verdelhan - Michel Verdelhan
published by Cle International Publishers (Paris).

Note:

- Introduction of elements of civilisation and different situations of communication (covered in the textbook only)
- suppression of group of verbs
- suppression of the study of pronoun complement
- introduction of a new tense : 1 imparfait (past continuous)

## देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

## एम.ए. व्यावहारिक हिन्दी, अनुवाद और साहित्य का नया पाठ्यक्रम

## (सत्र 2015–16 से आरंभ)

द्विवर्षीय एम. ए. (व्यावहारिक हिन्दी, अनुवाद और साहित्य) का शैक्षिक कार्यक्रम चार सेमेस्टर में सम्पन्न होता है। इसमें कुल 24 पाठ्यक्रम हैं। प्रत्येक पाठ्यक्रम 100 अंकों का होगा 60 अंक सत्रांत परीक्षा के लिए होंगे और 40 अंक संगोष्ठी/अधिन्यास (एसाइनमेन्ट) कार्य के लिए। पाठ्यक्रमों का सत्रानुसार विवरण इस प्रकार है–

### एम. ए. (व्यावहारिक हिन्दी, अनुवाद और साहित्य) प्रथम वर्ष

| **प्रथम सेमेस्टर (पहला सत्रांश)** | | | **क्रेडिट** |
|---|---|---|---|
| पहला प्रश्नपत्र | – | व्यावहारिक हिन्दी | 4 |
| दूसरा प्रश्नपत्र | – | अनुवाद के सिद्धांत | 4 |
| तीसरा प्रश्नपत्र | – | भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा | 4 |
| चौथा प्रश्नपत्र | – | हिंदी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक) | 4 |
| पांचवाँ प्रश्नपत्र | – | हिंदी भाषा शिक्षण (चुनाव हेतु विषय) | 4 |
| **समग्र मौखिकी** | – | | 4 |
| **द्वितीय सेमेस्टर (दूसरा सत्रांश)** | | | |
| छठवाँ प्रश्नपत्र | – | हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेंदु युग से अब तक) | 4 |
| सातवाँ प्रश्नपत्र | – | आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य | 4 |
| आठवाँ प्रश्नपत्र | – | सगुण भक्ति काव्य | 4 |
| नवाँ प्रश्नपत्र | – | भारतीय काव्यशास्त्र | 4 |
| दसवाँ प्रश्नपत्र | – | हिंदी पत्रकारिता : इतिहास, सिद्धांत और प्रयोग(चुनाव हेतु विषय) | 4 |
| **समग्र मौखिकी** | – | | |

## एम. ए. (व्यावहारिक हिन्दी, अनुवाद और साहित्य) द्वितीय वर्ष

### तृतीय सेमेस्टर (तीसरा सत्रांश)

| | | | |
|---|---|---|---|
| ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र | – | भारतीय साहित्य | 4 |
| बारहवाँ प्रश्नपत्र | – | कथासाहित्य | 4 |
| तेरहवाँ प्रश्नपत्र | – | छायावादी काव्य | 4 |
| चौदहवाँ प्रश्नपत्र | – | पाश्चात्य काव्यशास्त्र | 4 |
| पन्द्रहवाँ प्रश्नपत्र | – | हिंदी नाटक और रंगमंच (चुनाव हेतु विषय) | 4 |
| **समग्र मौखिकी** | – | | 4 |

### चतुर्थ सेमेस्टर (चौथा सत्रांश)

| | | | |
|---|---|---|---|
| सोलहवाँ प्रश्नपत्र | – | छायावादोत्तर काव्य | 4 |
| सत्रहवाँ प्रश्नपत्र | – | निबंध और नाटक | 4 |
| अठारहवाँ प्रश्नपत्र | – | हिंदी समीक्षा | 4 |
| उन्नीसवाँ प्रश्नपत्र | – | लघु–शोध–प्रबंध | 4 |
| बीसवाँ | – | पत्रकारिता और मीडिया लेखन (चुनाव हेतु विषय) | 4 |
| **समग्र मौखिकी** | – | | 4 |

## प्रथम सेमेस्टर (पहला सत्रांश)

### पहला प्रश्नपत्र : व्यावहारिक हिन्दी

**इकाई . 1**

हिन्दी के विभिन्न रूप : सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राजभाषा, संपर्क भाषा, मातृभाषा।

**इकाई . 2**

कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य : प्रारूपण, पत्र–लेखन, संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पणी।

**इकाई . 3**

पारिभाषिक शब्दावली : स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली के उदाहरणार्थ एवं उनका व्यवहारिक प्रयोग।

**इकाई . 4**

कंप्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा बेब पब्लिशिंग का परिचय, इंटरनेट, संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक रख–रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र, बेब पब्लिकेशन, इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप, लिंक, ब्राउजिंग पोर्टल, ईमेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग और हिन्दी सॉफ्टवेयर पैकेज।

**इकाई . 5**

व्यावहारिक हिन्दी में साहित्यिक विधाओं की उपयोगिता।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : आर.सी.त्रिपाठी, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : माधव सोनटक्के, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद

4. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी : ओम प्रकाश सिंहल, जगत राम एण्ड संस, नई दिल्ली
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण प्रारूपण : मधु धवन, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
7. व्यावहारिक राजभाषा : आलोक कुमार रस्तोगी
8. प्रशासनिक हिन्दी : ऐतिहासिक संदर्भ : महेशचन्द्र गुप्त
9. व्यावहारिक हिन्दी : महेन्द्र मित्तल
10. प्रशासनिक हिन्दी निपुणता : हरिबाबू कंसल
11. हिन्दी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
12. मध्यप्रदेश में पत्रकारिता : उद्‌भव और विकास : विजयदत्त श्रीधर
13. मालवा की हिन्दी पत्रकारिता : मोहन परमार
14. आधुनिक पत्रकार कला : रा.ट. खण्डेलकर
15. देवनागरी विमर्श : संपा. शैलेन्द्रकुमार शर्मा
16. आधुनिक पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी
17. संपूर्ण पत्रकारिता : अर्जुन तिवारी
18. परिभाषिक शब्दावली : भोलानाथ तिवारी और महेन्द्र
19. प्रयोजन मूलक हिन्दी एवं जनसंचार : राजेन्द्र मिश्र

## दूसरा प्रश्नपत्र : अनुवाद के सिद्धांत

**इकाई .1**

अनुवाद अर्थ, परिभाषा और स्वरूप, क्षेत्र और सीमाएँ ।

**इकाई. 2**

अनुवाद के प्रकार और प्रक्रिया (विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन)।

**इकाई. 3**

समतुल्यता का सिद्धांत, शब्द की अवधारणा (लक्ष्य और स्रोत भाषा)

भाषाविज्ञान और अनुवाद, आशु अनुवाद।

**इकाई. 4**

अनुवाद के उपकरण और साधन, अनुवाद का मनोविज्ञान और व्यावहारिक हिन्दी में अनुवाद का प्रयोग–कार्यालयीन, वैज्ञानिक एवं तकनीकी, साहित्यिक,मानविकी, संचार माध्यम, विज्ञापन आदि।

**इकाई. 5**

अनुवाद की समस्याएँः सर्जनात्मक अथवा साहित्यिक अनुवाद की समस्याएँ,कार्यालयीन अनुवाद की समस्याएँ, वैज्ञानिक एवं तकनीकी साहित्य के अनुवाद की समस्याएँ, कोश एवं पारिभाषिक शब्दावली के निर्माण की समस्याएँ, मीडिया क्षेत्र के अनुवाद की समस्याएँ, विज्ञापन के अनुवाद की समस्याएँ।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. अनुवाद–शतक (खण्ड) : नीता गुप्ता, और पूरणचन्द टण्डन, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
2. अनुवाद संवेदना और सरोकार : सुरेश सिंघल, संजय प्रकाशन,नई दिल्ली
3. हिन्दी में व्यावहारिक अनुवाद : आलोक कुमार रस्तोगी, सुमित प्रकाशन,नई दिल्ली
4. अनुवाद सिद्धान्त और प्रयोग : अतर सिंह वधान, और एन. सुन्दरम, एम. गोविन्दराजन, भाषा संगम, चैन्नई, तमिलनाडु
5. अनुवाद : गार्गी गुप्त, भारतीय अनुवाद परिषद, नई दिल्ली
6. अनुवाद भाषाएँ–समस्याएँ : एन.ई. विश्वनाथ अय्यर, ज्ञान गंगा, दिल्ली
7. अनुवाद के सिद्धान्त : राम गोपाल सिंह जादौन, विस्टा पब्लिशर्स, नई दिल्ली
8. अनुवाद अवधारणा और आयाम : सुरेश सिंघल,संजय प्रकाशन,नई दिल्ली
9. हिन्दी में अनुवाद की भूमिका और द्विभाषी कम्प्यूटरीकरण : आरिफ नज़र, अनंग प्रकाशन, नई दिल्ली
10. प्रयोजनमूलक हिन्दी : आर.सी.त्रिपाठी, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल

## तीसरा प्रश्नपत्र : भाषा विज्ञान एवं हिंदी भाषा

**इकाई. 1**

भाषा : परिभाषा, तत्त्व, अंग, प्रकृति और विशेषताएँ, भाषा परिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ, भाषाविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, अंग, प्रमुख अध्ययन–पद्धतियाँ। भाषाविज्ञान की प्रमुख शाखाएँ–समाजभाषा विज्ञान, शैलीविज्ञान और कोशविज्ञान का सामान्य परिचय।

**इकाई. 2**

स्वनविज्ञान : परिभाषा, स्वन और संस्वन, औच्चारणिक स्वनविज्ञान (स्वनयंत्र और स्वन उत्पादन प्रक्रिया), स्वनभेद, मानस्वर, स्वनिमवितरण के सिद्धांत, स्वनपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

**इकाई. 3**

रूपिमविज्ञान : शब्द और रूप (पद), संबंध तत्त्व और अर्थतत्त्व, रूप, संरूप, रुपिम और स्वनिम, रूपिमों का स्वरूप, रूपिमों का वर्गीकरण।

वाक्यविज्ञान : वाक्य की परिभाषा, संरचना, निकटस्थ अवयव, वाक्य के प्रकार, वाक्य–रचना में परिवर्तन–कारण एवं दिशाएँ।

**इकाई. 4**

अर्थविज्ञान शब्दार्थ सम्बन्ध विवेचन, अर्थपरिवर्तन के कारण एवं दिशाएँ।

**इकाई. 5**

संपर्क भाषा एवं राजभाषा के रूप में हिंदी, नागरी लिपि का मानकीकरण।

**अनुशंसित ग्रंथ :**

1. भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्र नाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
2. भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब महल, इलाहाबाद

3. सामान्य भाषाविज्ञान : बाबूराम सक्सेना, हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग

4. हिंदी भाषा का उद्‌भव और विकास : उदयनारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद

5. भाषा और समाज : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

6. राष्ट्रभाषा हिंदी : समस्याएँ और समाधान, देवेन्द्रनाथ शर्मा, लोकभारती, इलाहाबाद

7. भारत की भाषा समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

8. संपर्क भाषा हिंदी : सं. सुरेश कुमार, ठाकुर दास, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

9. राजभाषा हिंदी : प्रचलन और प्रसार : रामेश्वर प्रसाद, अनुपम प्रकाशन, पटना

10. नागरी लिपि : हिंदी और वर्तनी : अनंत चौधरी, दिल्ली माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

11. हिन्दी भाषा का विकास : गोपाल राय, अनुपम प्रकाशन, पटना

12. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योगदान : नामवर सिंह

13. हिन्दी भाषा विकास : कैलाश चन्द्र भाटिया

14. हिन्दी भाषा : हरदेव बाहरी

15. हिन्दी भाषा : इतिहास और स्वरूप, राजमणि शर्मा, राजकमल] दिल्ली

16. भारतीय आर्यभाषा और हिन्दी : सुनीति कुमार चेटर्जी, राजकमल प्रकाषन, दिल्ली,

17. हिन्दी भाषा का इतिहास : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली,

18. आधुनिक भाषाविज्ञान : भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

## चौथा प्रश्नपत्र : हिन्दी साहित्य का इतिहास (आरंभ से रीतिकाल तक)

**इकाई. 1**

हिंदी साहित्य के इतिहास–लेखन का इतिहास, काल विभाजन, आदिकालीन साहित्यिक परम्पराएँ–सिद्ध और नाथ साहित्य, जैन साहित्य।

**इकाई. 2**

रासो काव्य और उनकी प्रामाणिकता, अमीर खुसरो की हिंदी कविता, विद्यापति और उनकी पदावली, आदिकालीन हिंदी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ।

**इकाई. 3**

भक्ति आंदोलन के उदय के सामाजिक–सांस्कृतिक कारण, निर्गुण संत, प्रमुख सगुण भक्त, निर्गुण और सगुण भक्ति की मुख्य धाराएँ और उनकी शाखाएँ, भक्तिकाल की सामान्य विशेषताएँ ।

**इकाई. 4**

भारत में सूफीमत का उदय और विकास, सूफीमत के सामान्य सिद्धांत, हिंदी के प्रमुख सूफी कवि और काव्यग्रंथ, सूफी काव्यधारा की सामान्य विशेषताएँ।

**इकाई. 5**

दरबारी संस्कृति और रीतिकाल, रीतिकाल के मूल स्रोत, प्रमुख रीतिकवि, रीतिमुक्त काव्यधारा, रीतिकाव्य की सामान्य विशेषताएँ।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य की भूमिका : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
5. हिंदी साहित्य का अतीत (भाग–एक) : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, ब्रह्मनाल, वाराणसी
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद

8. साहित्य का इतिहास–दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

9. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

10. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली

11. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

## पांचवाँ प्रश्नपत्र हिन्दी भाषा शिक्षण (चुनाव हेतु विषय)

**इकाई. 1**

भाषा–शिक्षण के विविध आयाम : भाषा और शिक्षण का सामाजिक, सांस्कृतिक एवं शैक्षिक संदर्भ, मातृभाषा–शिक्षण– द्वितीय भाषा–शिक्षण, विदेश भाषा–शिक्षण।

**इकाई. 2**

भाषा–शिक्षण विधि : भाषा अधिनियम और भाषा–शिक्षण, भाषा–शिक्षण की प्रविधियाँ–व्याकरण, अनुवाद विविध, प्रत्यक्ष, विधि, वार्तालाप विधि, सांचा अभ्यास विधि, श्रव्य–दृश्य विधि आदि, विभिन्न विधियों की सार्थकता औरसीमाएं ।

**इकाई. 3**

भाषा कौशल : बोधन क्षमता–सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के चार चरण, चारों चरणों के अभ्यास, कक्ष में प्रस्तुतिकरण, संदर्भ सामग्री। वाचन दक्षता–सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पंच चरण, सभी चरणों का अभ्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री । लेखन दक्षता–लिपि, वर्तनी, लेखन विकास के पांच चरण, सभी चरणों के अभ्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री । अभिव्यक्ति दक्षता–सैद्धान्तिक पक्ष, विकास के पंच चरण, सभी चरणों में अभ्यास, अशुद्धियां, सहायक सामग्री ।

**इकाई. 4**

भाषा का सामाजिक सांस्कृतिक संदर्भ : भाषा और संस्कृति, भाषा और परिवेश, सहायक पुस्तकें, तकनीकी उपकरण और भाषा : प्रयोगशाला–श्रव्य–दृश्य उपकरण : सामान्य परिचय, भाषा प्रयोगशाला– प्रकार एवं प्रयोजन भाषा प्रयोगशाला द्वारा शिक्षण, टेपांकित पाठ और उसके घटक।

**इकाई. 5**

भाषा परीक्षण : मूल्यांकन की संकल्पना, मूल्यांकन के प्रकार, मूल्यांकन पद्धति, एकल मूल्यांकन और समग्र मूल्यांकन, प्रश्नपद और उसके प्रकार, मूल्यांकन में श्रुत–लेख एवं निकट (क्लोज) परीक्षण ।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. भाषा शिक्षण तथा भाषा विज्ञान : ब्रजेश्वर वर्मा, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
2. भाषा मूल्यांकन तथा परीक्षण : किशोरी लाल शर्मा, केन्द्रीय संस्थान, आगरा
3. अन्य भाषा शिक्षण के कुछ पक्ष : अमर बहादुर सिंह, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
4. फारेन लैंग्वेज लरनिंग : ए0 एल0 नौ वरी हाऊस पब्लिशर, यू0 एस0 एस0
5. भाषा–शिक्षण : कुछ नए विचार बिन्दु : इन्दिरा नूपुर, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. हिंदी भाषा–शिक्षण : डा0 भोलानाथ तिवारी, लिपि प्रकाशन, दिल्ली
7. भाषा–शिक्षण : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, मैकमिलन, दिल्ली
8. हिंदी भाषा : संरचना और प्रयोग : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
9. प्रयोग और प्रयोग : जगन्नाथन, आक्सफोर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, दिल्ली
10. भाषा–शिक्षण तथा भाषा विज्ञान : ब्रजेश्वर वर्मा एवं एन0 वी0 राजगोपालन, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा
11. हिन्दी भाषा–शिक्षण : रंगनाथ पाठक, प्रकाशक, प्रोग्रेसिव बुक सेंटर, लंका, वाराणसी

## दूसरा सेमेस्टर (दूसरा सत्रांश)

### छठवाँ प्रश्नपत्र : हिंदी साहित्य का इतिहास (भारतेन्दुयुग से अब तक)

**इकाई. 1**

1857 की राज्यक्रांति और सांस्कृतिक नवजागरण–भारतेन्दु और उनका मंडल–19वीं शताब्दी के प्रमुख हिंदी पत्र और पत्रिकाएँ–भारतेन्दुकालीन साहित्य की विशेषताएँ ।

**इकाई. 2**

महावीर प्रसाद द्विवेदी और उनका युग–'सरस्वती' और हिंदी नवजागरण–द्विवेदी युग के प्रमुख गद्यलेखक–मैथिलीशरण गुप्त और राष्ट्रीय काव्यधारा ।

**इकाई. 3**

हिंदी में उपन्यास का उदय–प्रेमचंद का महत्व, छायावाद की विशेषता–प्रमुख छायावादी कवि।

**इकाई. 4**

हिंदी में कथासाहित्य, नाटक, निबंध, रेखाचित्र, संस्मरण, यात्रावृत्त, जीवननी, आत्मकथा गद्य विधाओं का उदय और विकास।

**इकाई. 5**

प्रगतिशील आंदोलन–प्रगतिशील साहित्य की विशेषताएँ–प्रयोगवाद और नयी कविता–नवगीत–अकविता, आंचलिक उपन्यास और उपन्यासकार–नई कहानी–अकहानी–साठोत्तरी साहित्य की सामान्य विशेषताएँ–नाटक में नए प्रयोग।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. हिंदी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिंदी साहित्य : उद्‌भव और विकास : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती, इलाहाबाद

4. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

6. हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ : अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

7. हिंदी नवगीत का संक्षिप्त इतिहास : अवधेश नारायण मिश्र, आर्यभाषा संस्थान, वाराणसी

8. हिंदी साहित्य का इतिहास : सं. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

9. साहित्य का इतिहास–दर्शन : नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना

10. साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पांडेय, पीपुल्स लिटरेसी, दिल्ली

11. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य : लक्ष्मीसागर वार्ष्णेय, राजकमल प्रकाशन,दिल्ली

## सतवाँ प्रश्नपत्र : आदिकालीन एवं निर्गुण काव्य

**इकाई. 1**

पृथ्वीराज रासो : चंदबरदाई (सं. हजारी प्रसाद द्विवेदी एवं नामवर सिंह) केवल शशिव्रता विवाह प्रस्ताव (आरंभ से छंद सं0 50 तक)

**इकाई. 2**

कीर्तिलता : विद्यापति (सं. शिवप्रसाद सिंह) केवल द्वितीय पल्लव

**इकाई. 3**

पदावली : विद्यापति (शिवप्रसाद सिंह) 30 पद ( पद सं0 1, 3, 4, 5, 8, 9,10, 11, 12, 14, 16, 18, 19, 23, 26, 36, 47, 51, 52, 53, 54, 58, 61,78, 79, 81, 82, 94, 95, 102)

**इकाई. 4**

कबीर ग्रंथावली (सं. श्यामसुंदर दास)

साखी : विरह कौं अंग, निहकर्मी पतिव्रता कौं अंग

25 पद (सं0 1, 2, 3, 4, 5, 11, 12, 16, 21, 31, 32, 39, 40, 41, 48, 51, 59, 65, 72, 111, 122, 124, 130, 133, 137)

**इकाई. 5**

जायसी ग्रंथावली (सं. रामचन्द्र शुक्ल) नागमती विरह।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. पृथ्वीराज रासो की भाषा : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. हिंदी साहित्य का आदिकाल : हजारी प्रसाद द्विवेदी, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना
3. कबीर : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. कीर्तिलता और विद्यापति का युग : अवधेश प्रधान, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. विद्यापति : शिवप्रसाद सिंह, लोकभारती, इलाहाबाद
6. जायसी : विजयदेव नारायण साही, हिंदुस्तानी एकेडेमी, इलाहाबाद
7. सूफी मत : साधना और साहित्य : रामपूजन तिवारी, ज्ञानमंडल, वाराणसी
8. हिंदी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति : श्यामसुंदर शुक्ल, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
9. नाथपंथ और संत साहित्य : नगेन्द्र नाथ उपाध्याय, काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी
10. संत साहित्य : राधेश्याम दूबे, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. चंदबरदाई : शांता सिंह, साहित्य अकादमी, दिल्ली
12. जायसी : सं. रामचन्द्र शुक्ल, अभिव्यक्ति प्रकाशन, इलाहाबाद

## आठवाँ प्रश्नपत्र : सगुण भक्ति काव्य

**इकाई. 1**

भ्रमरगीत सार : सूरदास (सं. रामचन्द्र शुक्ल) 25 पद (सं. 2, 7, 8, 9, 10, 14, 16, 20, 21, 23, 24, 25, 27, 28, 29, 34, 38, 41, 42, 43, 44, 51, 52, 53, 54)

**इकाई. 2**

भ्रमरगीत सार : सूरदास (सं. रामचन्द्र शुक्ल) 25 पद (सं॰ 56, 57, 61, 62, 64, 65, 66, 69, 75, 76, 83, 85, 89, 91, 92, 94, 95, 98, 100, 111, 115, 121, 122, 171,175)

**इकाई. 3**

रामचरित मानस : तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)

बालकांड (दोहा सं. 50 तक)

**इकाई. 4**

रामचरित मानस : तुलसीदास (गीता प्रेस संस्करण)

अयोध्याकांड (दोहा सं. 272 से 292 तक)

उत्तरकांड (दोहा सं. 103 से 130 तक)

**इकाई. 5**

मीरा का काव्य : विश्वनाथ त्रिपाठी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली–110002 (15 पद–मण थें परस हरि रे चरण, जनक हरि, आली री म्हारे णेणां बाण पड़ी, म्हां गिरधर आगा नाच्यारी, म्हांरा री गिरधर गोपाल, माई सांवरे रंग राची, मैं गिरधर के घर जाऊं, माई री म्हाँ लियां गोविदाँ मोल, माई म्हाणे सुपणा माँ, यें मत बरजां माइरी, नहिं सुख भावै थांरो देसलड़ो

रंगरूड़ो, राणाजी म्हाने  या बदनामी लागै मीठी, पग बांध घूँघरःया णाच्यारी, राणाजी थे जहर दियो म्हे जाणी, सखी म्हारी नींद नसाणी हो, या ब्रज में कछू देख्यो री टोना)

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. सूरदास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. महाकवि सूरदास : नंददुलारे वाजपेयी, आत्माराम एण्ड संस, दिल्ली
3. सूरसाहित्य : हजारी प्रसाद द्विवेदी , हिंदी ग्रंथ रत्नाकर, बम्बई
4. गोस्वामी तुलसीदास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
5. गोसाईं तुलसीदास : विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, वाणी वितान, वाराणसी
6. तुलसीदास और उनका युग : राजपति दीक्षित, ज्ञानमंडल, वाराणसी
7. मानस दर्शन : श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी
8. भक्तिकाव्य और लोक जीवन : शिवकुमार मिश्र, दिल्ली
9. भक्तिकाव्य की भूमिका : प्रेमशंकर, नई दिल्ली
10. लोकवादी तुलसीदास : विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. भक्तिकाल में भारतीय रहस्यवाद : राधेश्याम दूबे, संजय बुक सेन्टर, वाराणसी
12. मीराबाई : श्रीकृष्ण लाल, आनंद पुस्तक भवन, वाराणसी


## नवाँ प्रश्नपत्र : भारतीय काव्यशास्त्र

**इकाई. 1**

संस्कृत काव्यशास्त्र का इतिहास : सामान्य परिचय, काव्य का लक्षण, काव्य हेतु एवं काव्य प्रयोजन।

**इकाई. 2**

रससिद्धान्त : रस की अवधारणा, रसनिष्पत्ति और साधारणीकरण,ध्वनिसिद्धांत– ध्वनि की अवधारणा, ध्वनि विचार का स्रोत, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि सिद्धान्त का महत्व।

**इकाई. 3**

अलंकार सिद्धांत : अलंकार की अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, अलंकारों का वर्गीकरण, अलंकार सिद्धांत एवं अन्य सम्प्रदाय।

**इकाई. 4**

रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, रीति एवं गुण, रीति का वर्गीकरण।

**इकाई. 5**

वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति का वर्गीकरण, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद, वक्रोक्ति का महत्व, औचित्य सिद्धांत–औचित्य की अवधारणा, औचित्य का महत्व।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. भारतीय साहित्य शास्त्र : गणेश–त्र्यंबक देशपांडे, पापुलर बुक डिपो, पूना
2. रसमीमांसा : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
3. संस्कृत आलोचना : बलदेव उपाध्याय
4. रस प्रक्रिया : शंकर देव अवतरे, दिल्ली
5. हिस्ट्री आफ संस्कृत पोएटिक्स : पी. बी काणे, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली
6. काव्यशास्त्र की भूमिका : नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
7. भारतीय काव्यशास्त्र के नए क्षितिज : राममूर्ति त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
8. ध्वनि सम्प्रदाय और उनके सिद्धांत : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
9. काव्यशास्त्र : भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

## दसवाँ प्रश्नपत्र : हिन्दी पत्रकारिता : इतिहास, सिद्धान्त और प्रयोग (चुनाव हेतु विषय)

**इकाई. 1**

हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव और विकास–सामान्य रूपरेखा।

**इकाई. 2**

प्रमुख पत्र : उदन्त मार्तण्ड, कविवचन–सुधा, हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, सरस्वती, कर्मवीर, प्रताप, हंस, माधुरी, मतवाला।

**इकाई. 3**

पत्रकार : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, बालकृष्ण भट्‌ट, महामना मदनमोहन मालवीय, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी, बाबूराम विष्णुराव पराड़कर गणेश शंकर विद्यार्थी, माखनलाल चतुर्वेदी।

**इकाई. 4**

हिन्दी पत्रकारिता के सिद्धान्त : समाचार की परिभाषा, समाचार संकलन और संपादन, समाचार के विभिन्न स्रोत, भेंटवार्ता के प्रकार तथा उनकी प्रविधि, शीर्षक कला, फीजर–लेखन–स्वरूप और उद्‌देश्य, समाचार लेख संपादन, संपादकीय लेख तथा टिप्पणियों का लेखन, मेकअप, प्रूफ–संशोधन, मुद्रण कला का सामान्य ज्ञान।

**इकाई. 5**

हिन्दी पत्रकारिता के प्रयोग : पत्रकारिता का व्यावहारिक ज्ञान, समाचार कैसे बनायें, शीर्षक कैसे दें, अनुवाद की प्रविधि, संक्षिप्तीकरण, संपादकीय लेखन औरटिप्पणी लेखन का अभ्यास, पत्रों के विभिन्न स्तंभ–प्रूफ संशोधन पत्र की साज–सज्जा, मुख्य पृष्ठ की साज–सज्जा कैसे आकर्षक बने।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. हिंदी समाचार पत्रों का इतिहास : अम्बिका प्रसाद वाजपेयी
2. संपूर्ण पत्रकारिता : हेरम्ब मिश्र
3. पत्र और पत्रकार : कमलापति त्रिपाठी

4. हिंदी पत्रकारिता : डॉ0 कृष्ण बिहारी मिश्र
5. संपादन कला : के0 पी0 नारायण
6. पत्रकार कला : विष्णुदत्त शुक्ल
7. पत्र संपादन कला : नन्द किशोर त्रिखा
8. मुद्रण कला : प्रभुल्ल चन्द्र ओझा मुक्त
9. हिंदी पत्रकारिता : विविध आयाम : सं0 वेद प्रताप वैदिक
10. हिन्दी पत्रकारिता : संकट और संत्रास : श्री हेरम्ब मिश्र

## तीसरा सेमेस्टर (तीसरा सत्रांश)

### ग्यारहवाँ प्रश्नपत्र : भारतीय साहित्य

**इकाई. 1**

भारतीय साहित्य की अवधारणा, अध्ययन की समस्याएं, भारतीयता का समाजशास्त्र, तुलनात्मक साहित्य की पीठिका, ऐतिहासिक भूमिका, स्वरूप, और हिंदी का भारतीय भाषाओं से तुलना–उर्दू, तमिल, तेलुगु कन्नड़ और मलयालम।

**इकाई. 2**

सहस्रफण : विश्वनाथ सत्यनारायण, आग का दरिया : कुर्रतुल ऐन हैदर

**इकाई. 3**

संस्कार : यू0 आर0 अनंतमूर्ति

**इकाई. 4**

अक्करमाशी : शरण कुमार लिंबाले

**इकाई. 5**

रवीन्द्रनाथ की 51 कविताएं (साहित्य अकादमी, नई दिल्ली)

(उपर्युक्त सभी मूल से हिन्दी में अनूदित कृतियां ही पाठ्यक्रम में निर्धारित हैं। इनसे व्याख्या नहीं पूछी जाएगी ।)

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. इंडियन लिटरेचर सिंस इंडिपेन्डेन्स : सं0 के0 एस0 आर0 आयंगर, साहित्य अकादमी, दिल्ली
2. कंपरेटिव लिटरेचर : नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली
3. भारतीय साहित्य : नगेन्द्र, साहित्य सदन, चिरगांव, झाँसी
4. भारतीय साहित्य : भोलाशंकर व्यास, चौखंभा, वाराणसी
5. भारतीय साहित्य की भूमिका : रामविलास शर्मा, राजकमल , दिल्ली
6. संस्कृति के चार अध्याय : दिनकर, उदयाचल, पटना
7. मृत्युंजय रवीन्द्रनाथ : हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल, दिल्ली
8. आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ नखणे, राजकमल, दिल्ली
9. तुलनात्मक साहित्य : इन्द्रनााथ मदान, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

10. तुलनात्मक साहित्य : नगेंद्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली

## बारहवाँ प्रश्नपत्र : कथासाहित्य

**इकाई. 1**

गोदान : प्रेमचंद

**इकाई. 2**

बाणभट्ट की आत्मकथा : हजारी प्रसाद द्विवेदी

**इकाई. 3**

शेखर–एक जीवनी (भाग 1) : अज्ञेय,

**इकाई. 4**

मैला आँचल : फणीश्वरनाथ रेणु

**इकाई. 5**

**कहानियाँ**–परिन्दे (निर्मल वर्मा), जिंदगी और जोंक (अमरकांत), चीफ की दावत (भीष्म साहनी), नन्हों (शिवप्रसाद सिंह) यही सच है (मन्नू भंडारी), भोलाराम का जीव (हरिशंकर परसाई), घंटा (ज्ञानरंजन), अपना रास्ता लो बाबा (काशीनाथ सिंह), माई का शोकगीत (दूधनाथ सिंह), तिरिछ (उदय प्रकाश) **(व्याख्या कहानियों से नहीं पूछी जाएगी)**

## अनुशंसित ग्रंथ :

1. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. प्रेमचंद : एक विवेचन : इन्द्रनाथ मदान,
3. उपन्यासकार हजारी प्रसाद द्विवेदी : त्रिभुवन सिंह
4. अज्ञेय का कथासाहित्य : ओमप्रभाकर
5. विवेक के रंग : देवीशंकर अवस्थी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली

6. हिंदी उपन्यास : शिवनारायण श्रीवास्तव, सरस्वती मंदिर, वाराणसी

7. अधूरे साक्षात्कार : नेमिचन्द्र जैन

8. कहानी नयी कहानी : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

9. कहानी आंदोलन की भूमिका : बलिराज पांडेय, अनामिका प्रकाशन, इलाहाबाद

10. आज की हिंदी कहानी : विजय मोहन सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

## तेरहवाँ प्रश्नपत्र : छायावादी काव्य

**इकाई. 1**

छायावाद का अर्थ, परिभाषा, छायावादी काव्य की सामाजिक–सांस्कृतिक दृष्टि, स्वाधीनता की चेतना और छायावादी काव्य की विशेषताएँ।

**इकाई. 2**

कामायनी : जयशंकर प्रसाद (चिंता एवं श्रद्धा सर्ग)

**इकाई. 3**

अनामिका : निराला (राम की शक्तिपूजा, सरोजस्मृति)

**इकाई. 4**

तारापथ : सुमित्रानंदन पंत (बादल, भावी पत्नी के प्रति, नौका विहार, अनामिका के कवि के प्रति, आः धरती कितना देती है)

**इकाई. 5**

दीपशिखा : महादेवी (पंथ होने दो अपरिचित, जब यह दीप थके तब आना, यह मंदिर का दीप, सब आँखों के आँसू उजले, मैं पलकों में पाल रही हूँ)

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. जयशंकर प्रसाद : नंददुलारे वाजपेयी, भारती भंडार, इलाहाबाद
2. कामायनी : एक पुनर्विचार – मुक्तिबोध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. निराला की साहित्य साधना (तीन भाग) : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
4. सुमित्रानंदन पंत : डॉ0 नगेन्द्र
5. छायावाद : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. महादेवी वर्मा : जगदीश गुप्त, नई दिल्ली, 1994
7. छायावाद की प्रासंगिकता : रमेशचन्द्र शाह, नई दिल्ली, 1973
8. छायावाद और नवजागरण : महेन्द्रनाथ राय, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली


## चौदहवाँ प्रश्नपत्र : पाश्चात्य काव्यशास्त्र

**इकाई. 1**

प्लेटो और अरस्तू : अनुकृति और विरेचन का सिद्धांत।

**इकाई. 2**

लोजाइनस : काव्य में उदात्त की अवधारणा, क्रोचे–अभिव्यंजनावाद।

**इकाई. 3**

वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा का सिद्धांत, कॉलरिज–कल्पना और फैन्सी।

**इकाई. 4**

टी. एस. इलियट : परम्परा और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण।

**इकाई. 5**

आई ए. रिचड्र्स : मूल्यसिद्धांत, संप्रेषण सिद्धांत ।

## अनुशंसित ग्रंथ :


1. लिटरेरी क्रिटिसिज्म : ए. शार्ट हिस्ट्री : विम्डासाट विलियम्स के एण्ड क्लीन्थ बुक्स, लंदन ।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
3. नई समीक्षा के प्रतिमान : निर्मला जैन, राजकमल, दिल्ली
4. पाश्चात्य समीक्षा शास्त्र : सिद्धांत और परिदृश्य, नगेन्द्र, राजकमल, दिल्ली
5. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
6. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
7. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली
8. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका : मैनेजर पांडेय, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
9. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का इतिहास : तारकनाथ बाली, मैकमिलन,
10. पाश्चात्य काव्यशास्त्र : कृष्ण वल्लभ जोशी, स्मृति प्रकाशन, इलाहबाद,
11. पाश्चात्य साहित्य चिंतन : निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली,
12. हिन्दी साहित्यशास्त्र : कृष्ण वल्लभ जोशी, स्मृति प्रकाशन, इलाहबाद


## पंद्रहवाँ प्रश्नपत्र हिन्दी नाटक एवं रंगमंच (चुनाव हेतु विषय)

**इकाई. 1**

हिंदी नाटक एवं भारतीय रंगमच के विकास का अध्ययन।

**इकाई. 2**

हिंदी रंगमंच का उद्भव और विकास, आधुनिक रंगमंच की प्रविधियों का अध्ययन ।

**इकाई. 3**

वैदिकी हिंसा हिंसा न भवति : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, ध्रुवस्वामिनी : जयशंकर प्रसाद

**इकाई. 4**

कोणर्क : जगदीश चन्द्र माथुर, लहरों के राजहंस : मोहन राकेश

**इकाई. 5**

आठवां सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा
2. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच : नेमिचंद जैन
3. हिंदी नाटक : समाजशास्त्रीय अध्ययन : सीताराम झा 'श्याम'
4. भारतेंदु हरिश्चंद्र, रामविलास शर्मा
5. नाटककार भारतेंदु की रंग परिकल्पना : सत्येंद्र तनेजा
6. जयशंकर प्रसाद की प्रासंगिकता : प्रभाकर श्रोत्रिाय
7. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता : रमेश गौतम
8. मोहन राकेश और उनके नाटक : गिरीश रस्तोगी
9. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि : मोहन राकेश
10. आज का हिंदी नाटक : प्रगति और प्रभाव : दशरथ ओझा
11. मोहन राकेश के सम्पूर्ण नाटक : नेमिचंद जैन
12. हिंदी नाटक : मिथक और यथार्थ : रमेश गौतम
13. हिंदी नाटक : आजकल : जयदेव तनेजा
14. भारतीय नाट्य साहित्य : डॉ. नगेंद्र
15. आज के रंग नाटक : इब्राहिम अल्काज़ी
16. हिन्दी नाटक उद्‌भव और विकास : डॉ0 दशरथ ओझा, राजपाल एण्ड सन्ज, कश्मीरी गेट, दिल्ली
17. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना : सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन , नई दिल्ली
18. भारतेन्दु और हिंदी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

19. अंधेर नगरी : सृजन : विश्लेषण और पाठ : रमेश गौतमः किताबघर प्रकाशन, नयी दिल्ली
20. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
21. नाटककार जयशंकर प्रसाद : सं0 सत्येन्द्र कुमार तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
22. प्रसाद के नाटक : देश और काल की बहुआयामिता, प्रों0 रमेश गौतम, स्वराज्य प्रकाशन
23. पाश्चात्य नाट्य दृष्टि और जयंशकर प्रसाद के नाटक : दिनेश कुमार गुप्त ,स्वराज्य प्रकाशन, नयी दिल्ली
24. आधुनिक नाटक का अग्रदूत मोहन राकेश : गोविंद चातक, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
25. मोहन राकेश के नाटकों का मनोवैज्ञानिक अध्ययन : अब्दुल सुभान, प्रकाशन संस्थान, दरियागंज, नई दिल्ली
26. मोहन राकेश : रंगशिल्प और प्रदर्शनः जयदेव तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
27. अंधायुग : रचनाधर्मिता के विविध आयाम : डॉ0 माया मलिक, स्वराज्य प्रकाशन
28. हिंदी नाटक : बच्चन सिंह, लोकभारती प्रकाशन

**चौथा सेमेस्टर ( चौथा सत्रांश)**

## सोलहवाँ प्रश्नपत्र : छायावादोत्तर काव्य

**इकाई. 1**

छायावादोत्तर काव्य–प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता और समकालीन, नवगीत काव्य की प्रवृत्तियाँ।

**इकाई. 2**

चाँद का मुँह टेढ़ा है : मुक्तिबोध (अंधेरे में)

**इकाई. 3**

आँगन के पार द्वार : अज्ञेय (असाध्य वीणा)

**इकाई. 4**

उर्वशी : दिनकर (तीसरा अंक )

**इकाई. 5**

संसद से सड़क तक : धूमिल (पटकथा)

## अनुशंसित ग्रंथ :


1. मुक्तिबोधः ज्ञान और संवेदना : नंदकिशोर नवल, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
2. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
3. अज्ञेय और आधुनिक रचना की समस्या : रामस्वरूप चतुर्वेदी, नई दिल्ली
4. समकालीन हिंदी कविता : विश्वनाथ प्रसाद तिवारी, नई दिल्ली
5. समकालीन कविता का यथार्थ : परमांनद श्रीवास्तव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी
6. समकालीन कविता की प्रवृत्तियाँ : रामकली सराफ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

7. अज्ञेय और नई कविता : चंद्रकला त्रिपाठी, संजय बुक सेंटर, वाराणसी

8. साहित्य और समय : अवधेश प्रधान, साहित्य वाणी, इलाहाबाद

## सत्रहवाँ प्रश्नपत्र : निबंध और नाटक

**इकाई. 1**

चिंतामणि (भाग एक) : रामचंद्र शुक्ल (केवल छह निबंध –क्रोध, करुणा, लोभ और प्रीति, कविता क्या है, लोकमंगल की साधनावस्था, रसात्मक बोध के विविध रूप)।

**इकाई. 2**

अशोक के फूल : हजारी प्रसाद द्विवेदी (केवल छह निबंध – बसंत आ गया है, अशोक के फूल, भारतीय संस्कृति की देन, भारतवर्ष की सांस्कृतिक समस्या, कुटज, मनुष्य ही साहित्य का लक्ष्य है)।

**इकाई. 3**

अंधेर नगरी : भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

**इकाई. 4**

स्कंदगुप्त : जयशंकर प्रसाद

**इकाई. 5**

आधे–अधूरे : मोहन राकेश **(व्याख्या 'अंधेर नगरी' से नहीं पूछी जाएगी)**

**अनुशंसित ग्रंथ :**

1. रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

2. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

3. रामचन्द्र शुक्ल : मलयज, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य : चौथीराम यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी

5. हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल एड संस, दिल्ली

6. हिंदी नाटक : बच्चन सिंह

7. रंग दर्शन : नेमिचन्द्र जैन

8. जयशंकर प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : जगन्नाथ शर्मा

9. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान : वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी, जगत राम एण्ड संस, दिल्ली

10. हिंदी नाट्यशास्त्र का स्वरूप : नर्वदेश्वर राय, हिंदी ग्रंथ कुटीर, पटना

## अट्‌ठारहवाँ प्रश्नपत्र : हिंदी समीक्षा

**इकाई. 1**

रामचंद्र शुक्ल, हजारी प्रसाद द्विवेदी, नंददुलारे वाजपेयी, रामविलास शर्मा, नगेन्द्र और नामवर सिंह की आलोचनात्मक पद्धतियँ।

**इकाई. 2**

प्रेमचंद, प्रसाद, निराला, अज्ञेय और मुक्तिबोध के साहित्य चिंतन का आकलन ।

**इकाई. 3**

नई समीक्षा की प्रमुख अवधारणाएँ–संरचनावाद, उत्तर संरचनावाद, आधुनिकता, उत्तर आधुनिकता, विखण्डनवाद।

**इकाई. 4**

शास्त्रीयतावाद (क्लासिसिज्म), स्वच्छंदतावाद (रोमांटिसिज्म), यथार्थवाद, साहित्य का समाजशास्त्र, साहित्यिक शैलीविज्ञान का सामान्य परिचय)।

**इकाई. 5**

विमर्श–स्त्री, दलित, आदिवासी।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. हिंदी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल, दिल्ली
2. हिंदी आलोचना का विकास : नंदकिशोर नवल, राजकमल, दिल्ली
3. हिंदी आलोचक : शिखरों का साक्षात्कार : रामचंद्र तिवारी, लोकभारती, इलाहाबाद
4. आलोचक के बदलते मानदंड और हिंदी साहित्य : शिवकरण सिंह, किताब महल, इलाहाबाद
5. आलोचक और आलोचना : बच्चन सिंह, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली
6. रामचंद्र शुक्ल और हिंदी आलोचना : रामविलास शर्मा, राजकमल, दिल्ली
7. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह, राजकमल, दिल्ली
8. साहित्य का नया शास्त्र : गिरिजा राय, इलाहाबाद
9. हिंदी काव्यशास्त्र पर आचार्य मम्मट का प्रभाव : राधेश्याम राय, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली।
10. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द : बच्चन सिंह, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. औरत के लिए औरत, नासिरा शर्मा, जगदीश भारद्वाज, सामयिक प्रकाशन, नई दिल्ली
12. बधिया स्त्री : जर्मेन ग्रीयर, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
13. बीसवीं सदी का हिंदी साहित्य : विजयमोहन सिंह, राजकमल, प्रकाशन, नई दिल्ली
14. स्त्रियों की पराधीनता : जॉन स्टुअर्ट मिल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
15. स्त्री मुक्ति का सपना : सं. कमला प्रसाद, राजेन्द्र शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
16. स्त्री के लिए जगह : सं. राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. स्त्री–उपेक्षिता : सीमोन द बोऊवार, अनु. प्रभा खेतान, हिंद पॉकेट बुक्स
18. स्त्रीत्व का मानचिह्न : अनामिका, सारांश प्रकाशन, दिल्ली

19. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य, क्षमा शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

20. हम सभ्य औरतें : मनीषा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली

21. स्त्री लेखन : स्वप्न और संकल्प : रोहिणी अग्रवाल, राजकमल

22. अस्मिता विमर्श का स्त्री स्वर : अर्चना वर्मा, मेधा प्रकाषन दिल्ली

23. नारीवादी राजनीतिः संघर्ष एवं मुद्दे : स. साधना आर्य, निवेदिता मेनन, जिनी लोकनीता, हिन्दी माध्यम कार्यान्वयन निदेशालय, दिल्ली

24. रीकास्टिंग वुमेंनः सम्पादनः कुमकुम संगारी, सुदेष वेद

25. आदमी की निगाह में औरत : स0 राजेन्द्र यादव, राजकमल, दिल्ली

26. दलित साहित्य का मूल्यांकन : चमनलाल, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली

27. दलित साहित्य का नया सौंदर्य शास्त्र : ओमप्रकाश वाल्मीकि

28. दलित और अश्वेत साहित्य–कुछ विचार : चमनलाल, इंडिय इन्स्च्यूट, शिमला

29. चिन्तन की परम्परा और दलित साहित्य : श्यौराज सिंह बेचैन

30. आदिवासी स्वर और नयी शताब्दी : रमणिका गुप्ता, वाणी प्रकाशन,नई दिल्ली

31. आदिवासी स्वर–संस्कार व प्रथाएँ : हरिनारायण दत्त, श्रीमति जसप्रीत बाजवा, आकृति प्रकाशन, नई दिल्ली

32. आदिवासी स्वर–वाचिक परंपरा व साहित्य : वी.एस. चटर्जी, जयशंकर उपाध्याय, आकृति प्रकाशन, नई दिल्ली

33. लोकधर्मी साहित्य की दूसरी धारा : चौथीराम यादव, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली

34. उत्तरशती के विमर्श और हाशिए का समाज : चौथीराम यादव, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली

## उन्नीसवाँ प्रश्नपत्र : लघु–शोध–प्रबंध

## बीसवाँ प्रश्नपत्र : पत्रकारिता और मीडिया लेखन (चुनाव हेतु विषय)

**इकाई .1**

पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार और उसका इतिहास।

**इकाई. 2**

मीडिया लेखन : जनसंचार–प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ, विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप–मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इंटरनेट और श्रव्य माध्यम–रेडियो, मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोतार्ज।

**इकाई. 3**

दृश्य–श्रव्य माध्यम : (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो), दृश्य माध्यमों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य, पार्श्व वाचन (वायस ओवर), पटकथा लेखन, टेलीड्रामा, डॉक्यूड्रामा, संवाद–लेखन, साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों का रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा और इंटरनेट सामग्री सृजन (Content Creation)।

**इकाई. 4**

समाचार लेखन कला–संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक रूप प्रूफशोधन, .पत्रकारिता : शीर्षक की सरंचना, लीड, इंट्रो एवं शीर्षक संपादन और संपादकीय लेखन।

**इकाई. 5**

पृष्ठसज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता।

**अनुशंसित ग्रंथ :**


1. प्रयोजनमूलक हिन्दी : आर.सी.त्रिपाठी, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : माधव सोनटक्के, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. हिन्दी भाषा का प्रयोजनमूलक स्वरूप : कैलाश चन्द्र भाटिया, साहित्य भवन प्रा. लि., इलाहाबाद
4. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी : ओम प्रकाश सिंहल, जगत राम एण्ड संस, नई दिल्ली
5. प्रयोजन मूलक हिन्दी : विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. प्रयोजनमूलक हिन्दी : परिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण प्रारूपण : मधु धवन, जय भारती प्रकाशन, इलाहाबाद